(Rupees in lakhs)

Period	Amount
1-11-1987 to 31-10-1988	186·58
1-11-1988 to 31-10-1989	164·79
1-1-1990 to 31-12-1990	14·39

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

दालों के उत्पादन का लक्ष्य

2287. **श्री राम जेठमलानी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1991–92 के लिए देश में दालों के उत्पादन का लक्ष्य 155 लाख टन निर्धारित किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो विभिन्न प्रकार की दालों का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु किसानों को अच्छे किस्म के बीज उपलब्ध कराये हैं ;

(घ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान किस-किस किस्म के "दाल बी" के बारे में शोध किया गया है ; और

(ङ) देश में इस बीज की वार्षिक उपलब्धि की मात्रा कितनी है तथा वर्ष 1991–92 के दौरान इसके कितनी मात्रा में उपलब्ध होने की संभावना है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीपल्ली रामचन्द्रन) : (क) जी, हां।

(ख) फसलवार लक्ष्य निम्नलिखित हैं।

फसल	लक्ष्य लाख मीटरी टन में
चना	60.25
अरहर	36.00
अन्य खरीफ दालें	25.00
अन्य रबी दालें	34·05
	155·30

(ग) जी, हां।

(घ) अखिल भारतीय समन्वित दाल सुधार परियोजना के माध्यम से विभिन्न दालों की फसलों, अर्थात् चना, अरहर, मूंग की फली, उड़द की फली मटर, राजमा आदि की अधिक पैदावार देने वाली किस्मों को विकसित करने के लिये अनुसंधान किये जाते हैं । पिछले तीन वर्षों के दौरान विभिन्न दालों की फसलों की 18 किस्में विकसित की गई थीं।

(ङ) दालों के उन्नत किस्मों के प्रमाणित/गुणवत्ता वाले बीजों की वार्षिक उपलब्धता निम्नलिखित थी :

वर्ष	प्रमाणित/गुणवत्ता वाले बीजों की उपलब्धता (क्वींटल में)
1989–90	4,33,708
1990–91	4,30,629
1991–92	4,13,926

बिहार में भुखमरी के कारण हुई मौतें

2288. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 5 अगस्त, 1991 के दि स्टेट्समैन" में "काला-हांडी रिपोर्टस सबमिटेड टू पी एम" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है और यदि हां, तो क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों में कालाहांडी, में भुखमरी की वजह से कई मौतें हुई हैं; और

(ख) क्या सरकार को पिछले कुछ महीनों के दौरान बिहार से भुखमरी की वजह से हुई मौतों के संबंध में कोई सूचना मिली है और यदि नहीं, तो क्या सरकार इस संबंध में बिहार में सिंहभूम के आदिवासी क्षेत्रों में कोई जांच करवाने का विचार रखती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) 5 अगस्त, 1991 के स्टेट्समैन में "कालाहांडी रिपोर्ट सबमिटेड टू पी. एम." शीर्षक से प्रकाशित समाचार की जानकारी सरकार को मिल गई है । उड़ीसा सरकार से मिली रिपोर्ट के अनुसार कालाहांडी जिले में भूखमरी से मौत का कोई मामला घटित नहीं हुआ है।

(ख) जी, नहीं ।

राष्ट्रीय दाल विकास कार्यक्रम

2289. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में दालों के उत्पादन को बढ़ाने के लिये वर्ष 1986-87 में राष्ट्रीय दाल विकास कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस कार्यक्रम के अन्तर्गत किसानों को अच्छे किस्म के बीज उपलब्ध करवाना तथा कृषि उत्पादन में विकास के लिये उन्हें इसके उन्नत तरीकों से अवगत कराना भी शामिल था ;

(ग) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सरकार द्वारा वर्षवार कुल कितनी राशि व्यय की गयी ;

(घ) क्या यह भी सच है कि वर्तमान में देश में प्रति हैक्टेयर दालों के उत्पादन का औसत विश्व के अनेक दाल उत्पादक देशों के मुकाबले कम हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो फ्रांस, अमरीका, चीन, रूस, तुर्की, ब्राजील, पाकिस्तान, बांगलादेश, हंगरी, केनिया, म्यांमार (बर्मा) आदि देशों में दालों का प्रति हैक्टेयर औसत उत्पादन कितना है तथा वर्ष 1985-86 तथा 1990-91 में देश में दालों का प्रति हैक्टेयर औसत उत्पादन कितना रहा ।

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) और (ख) जी, हां ।

(ग) भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय दलहन विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत व्यय की गयी राशि इस प्रकार है —

वर्ष	व्यय की गयी राशि
1988-89	567.444 लाख रुपये
1989-90	830.30 लाख रुपये
1990-91	1168.58 लाख रुपये

(घ) जी, हां ।

(ङ) विभिन्न देशों में दलहनों का प्रति हैक्टेयर औसत उत्पादन विवरण में दिया गया है ।

विवरण

कुछ देशों में कुल दलहनों की प्रति हैक्टेयर उपज 1985-89

(कि० ग्रा० प्रति हैक्टेयर)

देश	1985	86	87	88	89
विश्व	774	771	206	808	828
1. केन्या	900	1080	520	607	667